हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, सोमवार, 28 अप्रैल 2025

11 बॉक्सिंग चैंपियनशिप में खिलाड़ियों ने जीते चार मेडल

12 कैंडल मार्च निकालकर दी पहलगाम के मृतकों को ...

SANSKARAM
GROUP OF SCHOOLS, JHAJJAR
India's Most Trusted School for Integrated Classroom Programme
IIT-JEE NEET NDA MNS CLAT
CA-CS CUET SSC VVM VSSF
CLAT Exam Qualifiers
2025-26 ADMISSION OPEN
लगातार 8 वर्षों से एक ही संकल्प, हर विद्यार्थी की मेहनत हो सफल
संस्कारम के होनहारों के सपने हुए साकार, बने भविष्य के चार्टर्ड एकाउंटेंट / कंपनी सेक्रेटरी !
MITAKSHI D/o VINAY MALIKPUR | KANIKA D/o ASHOK AURANGPUR | KHUSHI D/o BHARAMJEET AURANGPUR | AAKASH S/o RAJPAL REWARI KHERA | DIYA D/o SANDEEP KHATIWAS | AKANSHA D/o RAJESH MATANHAIL | PRIYANKA D/o SURESH DUBALDHAN | MANISH S/o RAJESH DUBALDHAN | HARSHITA D/o PAWAN JHAJJAR
JHAJJAR CAMPUS : NH.334B, Main Dadri Road, Khatiwas, Jhajjar, 8222889860, 8222889862 | PATAUDA CAMPUS : NH. 352, Pataude, Near Kulana, Jhajjar, 9053007801, 9053007802

खबर संक्षेप

कारखाना और मोबाइल टावर की शिकायत दी

बहादुरगढ़। शहर की एक कॉलोनी में अवैध रूप से ट्रांसफार्मर का कारखाना चलाने और छत पर मोबाइल टावर लगाने का मामला सामने आया है। इस पर कॉलोनी के कुछ लोगों ने आपत्ति जताई है और नगर परिषद के अधिकारियों को पत्र देकर मामले में कार्रवाई की मांग उठाई है। शिकायत पत्र में कहा गया कहा है कि विवेकानंद नगर में एक व्यक्ति द्वारा सरकारी जमीन पर अवैध तरीके से ट्रांसफार्मर का कारखाना चलाया जा रहा है। दिनभर गली से क्रेन, ट्रक भारी भरकम ट्रांसफार्मरों को लाया जाता है। इस कारण असुरक्षा का भय रहता है। कोई दुर्घटना हो सकता है। कारखाना चला रहे शख्स को कई बार मना कर चुके हैं लेकिन नहीं मानता। इसके अलावा उसने अपनी छत पर अवैध तरीके से मोबाइल टावर भी लगवा रखा है। मामले में कार्रवाई की जाए। ये आरोप कितने सही हैं, यह तफ्तीश का विषय है।

चोरी के मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार

बहादुरगढ़। राजकीय महाविद्यालय बहादुरगढ़ की कंप्यूटर लैब से चोरी करने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। सेक्टर 9 चौकी प्रभारी के अनुसार, महाविद्यालय की प्रधानाचार्य ने शिकायत देते हुए बताया कि दिनांक 19 अप्रैल को कंप्यूटर लैब की जांच करने के बाद पता चला कि कंप्यूटर लैब से सामान चोरी हुआ है। इस शिकायत पर केस दर्ज किया गया। आरोपी कबाड़ी की पहचान फिरोज के रूप में हुई है। आरोपी के पास से 21 हजार 800 रुपये बरामद किए गए हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों में लड़का लापता

बहादुरगढ़। लाइनपार क्षेत्र से एक लड़का संदिग्ध परिस्थितियों में लापता है। कई दिन बीत जाने के बाद भी उसका कुछ अता पता नहीं है। अब परिजनों ने पुलिस को सूचना देकर तलाश की गुहार लगाई है। लाइनपार के निवासी कृष्ण ने कहा है कि उसका करीब साढ़े 17 वर्षीय बेटा पंकज 22 अप्रैल की रात को घर से बाहर गया था लेकिन वापस नहीं लौटा। तब से लेकर अब तक उसे तमाम संभावित ठिकानों पर तलाश चुके हैं लेकिन उसका कुछ अता पता नहीं है। हो सकता है किसी अज्ञात शख्स से ने उसको कहीं छिपा रखा हो। पुलिस तलाशने में मदद करे। उधर, लाइनपार थाना पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर लड़के की तलाश शुरू कर दी है।

सताने लगी गर्मी, पारा 42 डिग्री दर्ज

बहादुरगढ़। तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। दिन के वक्त चिलचिलाती धूप परेशान कर रही है तो रात को भी गर्मी सता रही है। गर्मी बढ़ने के साथ ही बिजली के कट भी लगने लगे हैं। रविवार को इलाके में अधिकतम तामपान 42 डिग्री दर्ज किया गया। पिछले कुछ दिनों से तापमान 40 डिग्री के पार चल रहा है। गर्मी बढ़ने के चलते लोगों की दिनचर्या बदल गई है। सुबह और देर शाम के वक्त अब पार्कों में रौनक है। जूस और आइस्क्रीम की दुकानों पर भीड़ लग रही है।

सड़क के दोनों तरफ जल रहे अवशेष, ग्रीन बेल्ट में लगे पेड़ जले, बच-बच के निकल रहे वाहन चालक व राहगीर

झज्जर-रोहतक मार्ग पर ये नजारा...

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

खेतों में फसल अवशेष जलाने की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रहीं है। रविवार को भी शहर के कई स्थानों पर आगजनी की घटनाओं के मामले सामने आए।

इसी कड़ी में बेरी ब्लॉक के एग्रीकल्चर ऑफिसर संजय कुमार ने दूबलधन गांव का दौरा करते हुए करीब 300 से 400 एकड़ भूमि में फसल अवशेष जलाने के मामले पाए गए। लेकिन मौके पर कोई व्यक्ति आगजनी की घटना को अंजाम देता नहीं दिखाई दिया। इसलिए अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की शिकायत पुलिस को दी गई है। झज्जर से रोहतक जाने वाले मार्ग पर कई स्थान ऐसे भी थे जहां सड़क के दोनों और फसल अवशेष जल रहे थे। खेतों से उठता धुंआ और आग की तेज लपटों के कारण राहगीरों का वहां से निकला दूभर हो रहा था। इन आगजनी की घटनाओं से ग्रीन बेल्ट भी प्रभावित हो रही है।

फसल अवशेष जलाना दंडनीय अपराध : एसडीएम

उधर, एसडीएम रेणुका नांदल ने कहा कि गेहूं की फसल कटाई के बाद खेतों में फसल अवशेष जलाना न सिर्फ एक दंडनीय अपराध है, बल्कि पर्यावरण और जनस्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा है। फसल अवशेष जलाने की घटनाओं को रोकने व कार्रवाई करने के लिए प्रशासन द्वारा ब्लॉक स्तर पर टीमें बनाई गई हैं। इन टीमों द्वारा उपमंडल में किसानों व आमजन को फसल अवशेष न जलाने के प्रति जागरूक किया जा रहा है व उसके भारी नुकसानों से अवगत भी करवाया जा रहा है।

150 एकड़ में फसल अवशेष जलाने पर केस

बहादुरगढ़। फसल अवशेष जलाने पर प्रतिबंध है। इसके बावजूद लगातार अवशेष जलने या जलाने के मामले सामने आ रहे हैं। फसल अवशेषों को आग के हवाले करने वालों के खिलाफ प्रशासन की ओर से केस दर्ज किए जा रहे हैं। अब बादली थाना क्षेत्र में करीब 150 एकड़ फसल अवशेष में आग लगाने पर संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। बहादुरगढ़ के खंड कृषि अधिकारी राकेश राणा की शिकायत पर यह कार्रवाई हुई है। हालांकि अभी फसल अवशेष में आग लगाने वाले की पहचान नहीं हो सकी है। मामले की तह तक पहुंचने के लिए पुलिस छानबीन कर रही है। शिकायत में अधिकारी राकेश राणा ने कहा है कि गेहूं की कटाई के बाद बचे हुए अवशेष को जलाने पर प्रतिबंध है। ऐसा करने वालों के खिलाफ केस दर्ज कराने का प्रावधान है। इस पर रोक लगाने के लिए जिले में एक टीम का भी गठन किया गया है। यह टीम शनिवार को इलाके में निगरानी कर रही थी। इस दौरान इस्माइलपुर से मुंडाखेड़ा तथा इस्माइलपुर से देवरखाना रोड केएमपी तक खेतों में आग लगी पाई गई। लगभग 150 एकड़ क्षेत्र में आग लगी हुई। अपने स्तर पर आग लगाने वाले का पता किया लेकिन जानकारी नहीं मिली। उधर, पुलिस का कहना है कि मामले में जांच की जा रही है। बता दें कि खेतों में आग लगने के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं। इस वजह से प्रदूषण बढ़ रहा है। दमकल विभाग को भी काफी भागदौड़ करनी पड़ रही है।

किसानों को किया जागरूक

खेतों में आगजनी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए कृषि विभाग, दमकल विभाग द्वारा किसानों को जागरूक भी किया जा रहा है। टीमें दिनरात निगरानी कर रही हैं, ताकि खेतों में आग न लगे। गांव गांव जाकर किसानों को जागरूक किया जा रहा है। उन्हें अवशेष जलाने के नुकसान समझाए जा रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि खेतों में आग लगने से उपजाऊ शक्ति पर असर पड़ता है। पेड़, पौधे व मिट्टी में मौजूद सूक्ष्म जीव नष्ट हो जाते हैं। इसके अलावा प्रदूषण बढ़ता है, जिससे बीमारियां जन्म लेती हैं। किसान जागरूकता का परिचय दें। खुद भी जागरूक रहें और दूसरों को भी अवशेष जलाने से रोकें।

मंडियों से 92% सरसों व 68% गेहूं का उठान

झज्जर। जिले की मंडियों में सरसों व गेहूं की खरीद के साथ ही उपज की नियमानुसार लिफ्टिंग पर जिला प्रशासन का पूरा फोकस है। डीसी प्रदीप दहिया ने बताया कि मंडियों से अब तक 92 प्रतिशत सरसों और 68 प्रतिशत गेहूं का उठान हो चुका है। उन्होंने कहा कि अब तक जिले में कुल 32814 मीट्रिक टन सरसों की खरीद हो चुकी है, जबकि 34633 मीट्रिक टन सरसों की आवक दर्ज की गई है। इसमें से 30031 मीट्रिक टन सरसों की लिफ्टिंग हो चुकी है और शेष लिफ्टिंग का कार्य तेज गति से किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गेहूं की जिले में 1 लाख 92 हजार 631 मीट्रिक टन आवक और 1 लाख 61 हजार 817 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हुई है।

नशे की खेप के साथ तीन गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

- सुल्फा बेचने की फिराक में घूम रहे थे, पुलिस ने धर दबोचा

सीआईए की एक टीम द्वारा मादक पदार्थ सुल्फा सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। सीआईए प्रभारी विवेक मलिक ने बताया कि पुलिस की एक टीम थाना साल्हावास क्षेत्र में तैनात थी। इसी दौरान टीम को गुप्त सूचना मिली की मंजीत निवासी रोहतक सुमित निवासी बेरी और आशीष निवासी रिटौली मादक पदार्थ बेचने का अवैध धंधा करते है। जो सासरौली से सेहलंगा रोड पर गाड़ी में मादक पदार्थ बेचने की फिराक में है। जिस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम द्वारा तीन आरोपियों को संदेह के आधार पर पकड़ा गया। पकड़े गए आरोपियों की नियमानुसार तलाशी लेने पर उसके कब्जे से मादक पदार्थ सुल्फा बरामद हुआ। जिसका वजन करने पर 352 ग्राम पाया गया। पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार मामला दर्ज करते हुए स्थानीय अदालत में पेश किया गया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

झज्जर। पुलिस की गिरफ्त में आरोपी युवक।

पार्क में मिला श्रमिक का शव, हत्या की आशंका

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

- शरीर पर कई जगह चोट के निशान
- भाई की शिकायत पर केस दर्ज

शहर के रेवाड़ी रोड स्थित बल्लूवाली पार्क में एक व्यक्ति का शव मिला है। शनिवार की देर रात जब पुलिस को जब पता चला तो घटना स्थल पहुंच कर राहगीरों से मामले की जानकारी लेते हुए शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल भिजवाया गया। एफएसएल टीम ने भी मौके पर पहुंच कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। मृतक की पहचान मूल रूप से यूपी जिला अलीगढ़ के गांव नगरिया सिहानी निवासी करीब पैंतीस वर्षीय जसवीर पुत्र कुंवरजी के तौर पर हुई है। जसवीर फिलहाल शहर की यादव कालोनी में रहता था। मृतक के सिर व गले पर चोट के निशान है जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। हत्या करने के पीछे कारण क्या रहे और हत्या करने वाले कौन लोग है इसका खुलासा पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने और पुलिस की जांच आगे बढ़ने के बाद ही चल पाएगा। रविवार को पुलिस द्वारा मृतक के भाई चुन्नीलाल की शिकायत के आधार पर हत्या का मामला दर्ज किया गया है। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। इस संबंध में पुलिस द्वारा नियमानुसार आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

पुलिस को दी शिकायत में मृतक के भाई चुन्नी लाल ने बताया कि शनिवार की रात करीब साढ़े दस बजे उसकी भाभी ने फोन पर सूचना दी कि करीब घंटा भर पहले जसबीर शराब पीकर घर से निकला था जो वापिस घर नहीं लौटा। इसके बाद बल्लूवाली पार्क में जसबीर अचेत अवस्था में पड़ा मिला। उसके सिर में चोट लगी थी और गले पर भी निशान थे। ऐसा प्रतीत होता है कि किसी ने उसके भाई जसवीर की सिर में चोट मारकर हत्या की है।

झज्जर। अस्पताल में पोस्टमार्टम के दौरान कागजी कार्रवाई करते पुलिसकर्मी।

गली और नाली निर्माण में अनियमितता का आरोप, फोटो व वीडियो अधिकारियों को भेजी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

वार्ड-16 के लोगों ने गली व नाली के निर्माण कार्य में अनियमिताएं बरतने का आरोप लगाया है। पार्षद व अधिकारियों को मामले से अवगत कराकर मामले में संज्ञान लेने की गुहार लगाई है। आरोप है कि नाली का लेवल ठीक नहीं है।

निर्माण में भी पुरानी व सूखी ईंटों का प्रयोग किया जा रहा है। यहां के निवासी पवन वर्मा, रविकांत भौसले, अन्नू, पवन राणा व त्रिलोक राणा ने बताया कि गली व नाली के निर्माण में सामग्री की गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा जा रहा। निम्न स्तर की सामग्री का प्रयोग किया जा रहा है। अगर ऐसे ही चलता रहा है तो यह गली और नाली एक बारिश तक नहीं झेल पाएगी। पार्षद प्रतिनिधि नरेंद्र राठी ने बताया कि समस्या के बारे में अधिकारियों लिखित व मौखिक शिकायत कर दी गई है। साथ ही ठेकेदार द्वारा गली व नाली निर्माण में जिस सामग्री व ईंटों का प्रयोग किया जा रहा है, उसके फोटो व वीडियो अधिकारियों के वाट्सएप नंबर पर भेज दी गई। गली निर्माण कार्य में अनियमिता बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बहादुरगढ़। नाली निर्माण में लगाई जा रही पुरानी ईंटे दिखाते पार्षद प्रतिनिधि व अन्य।

युवकों पर फौजी से मारपीट का आरोप, सोने की चेन भी छीनी

झज्जर। क्षेत्र के गांव खुड्डन में एक माह की छुट्टी पर आए एक फौजी के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। पुलिस को दी शिकायत में खुड्डन निवासी परीक्षित ने बताया कि वह फौज में नौकरी करता है और एक माह की छुट्टी आया हैं। जब वह शुक्रवार को अपनी कार में फूफेरे भाई विकास के पास रोहतक जा रहा था शाम करीब साढ़े सात बजे माछरौली गांव के नजदीक एक कार में सवार पांच युवकों ने उसका रास्ता रोक लिया।

परीक्षित के अनुसार इसके बाद उन युवकों में से एक युवक ने जहां देशी कट्टे से वार किया वहीं दूसरे युवक लकड़ी के बिट्टे से उसकी कमर पर चोट पहुंचाई। इसके अलावा शेष युवकों ने भी उसे लात व मुक्के मारे। इस दौरान उन्होंने उसके गले से सोने की चैन भी छीन ली। परीक्षित के मुताबिक जब वह अपनी गाड़ी छोड़ कर भाग निकला और अपने चाचा सोमबीर को फोन किया। परिजनों द्वारा उसे उपचार के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे प्राथमिक उपचार के बाद पीजीआई रोहतक रैफर कर दिया। परीक्षित के अनुसार अस्पताल से लौटने के बाद जब उन्होंने गाड़ी की जांच की तो उसके डैशबोर्ड में रखे 1 लाख 70 हजार रुपये भी नहीं मिले। पुलिस को दी शिकायत में मुख्य आरोपी को भी नामजद किया गया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

नेशनल मास्टर गेम्स में परमानंद ने जीते 3 मेडल

बहादुरगढ़। हिमाचल में हुए नेशनल मास्टर गेम्स में बहादुरगढ़ के परमानंद मलिक छाए रहे। शानदार प्रदर्शन करते हुए मलिक ने दो गोल्ड सहित तीन मेडलों पर कब्जा जमाया। मलिक की जीत पर खेल प्रेमियों ने खुशी जताई है। खेल प्रेमियों द्वारा उनका अभिनंदन किया गया। गत 20 से 26 अप्रैल तक हिमाचल के धर्मशाला में यह आयोजन हुआ था। देशभर के करीब एक हजार मास्टर खिलाड़ियों ने इसमें भाग लिया। बहादुरगढ़ के बराही रोड निवासी परमानंद मलिक ने भी जोर आजमाइश की। उन्होंने जैवलिन थ्रो और हैमर थ्रो में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीते, वहीं डिस्कस थ्रो में सिलवर मेडल प्राप्त किया। इन तीन मेडलों को मिलाकर उनके कुल मेडलों की संख्या अब 316 हो गई है। परमानंद मलिक दिल्ली पुलिस से सेवानिवृत्त है और कई दशकों से खेलों में भाग ले रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश के लिए मेडल जीत चुके हैं। काफी युवा खिलाड़ी भी मलिक से प्रशिक्षण प्राप्त कर ऊंचे मुकाम पर पहुंच चुके हैं। मलिक का कहना है कि खेलने से उन्हें उर्जा मिलती है। जब तक उनके शरीर में जान है, वह खेलते रहेंगे। उन्होंने युवाओं को भी खेलों में भाग लेने को प्रेरित किया।

जो प्रेम असहिष्णु हो, जो दूसरों के मनोभावों का तनिक भी विचार न करे, जो मिथ्या कलंक आरोपण करने में संकोच न करे, वह उन्माद है, प्रेम नहीं।
- मुंशी प्रेमचंद

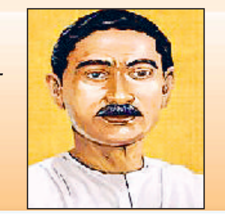

कभी-कभार वह देर रात तक घर लौटती थी। हमें उसके आने का बेसब्री से इंतजार रहता और सड़क की उतराई पर टकटकी लगाए घंटों देखते रहते, परन्तु बुआ नहीं आती। कभी छींका खाली मिला तो भूखे ही बैठे रहते, मौसी से रोटी माँगने की हिम्मत नहीं होती थी। कहते भी तो मौसी झिड़क देती थी-''खाने का ही काम है। यहाँ कोई भंडारा खुला है- जब बने खा लेना।''

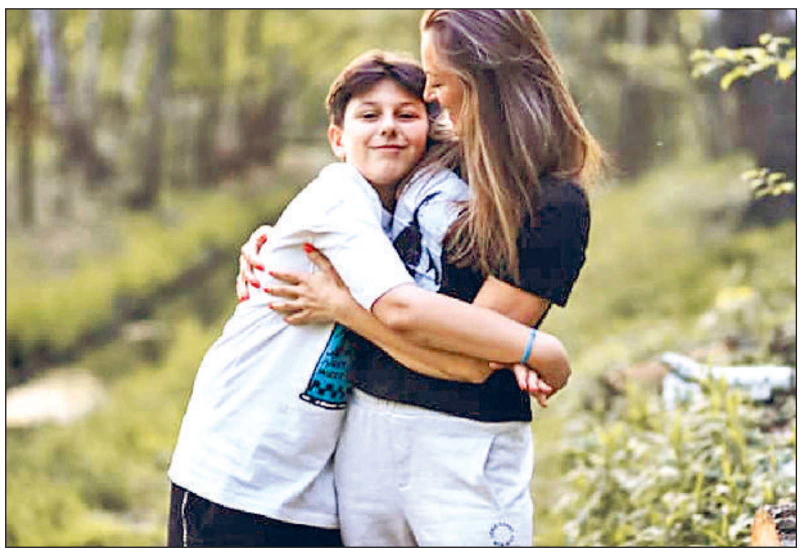

कहानी

डा. सुरेश वशिष्ठ

बुआ

मां की याद उभरती-ख्वाबों की तरह। मैंने उसे कभी देखा नहीं, फिर भी उसकी याद को दिल में सँजोए रहा हूँ। बुआ के पास उसकी एक तस्वीर देखी है, जिसे देखने पर दिल में ख्वाब जाग उठते थे और मैं दुलार की कामना में खोने लगता था। मौसी जब बखेड़ा कर बैठती तब लगता कि माँ होती तो यह होता ही क्यों, मौसी घर में आती ही क्यों? बापू दूसरी शादी करते ही क्यों। होनी को कौन टाल सकता है। माँ मरी तो मौसी आ गई। अपना भाग्य, दोष किसे दूँ? मुझे तो अपना जीवन जीना ही था। माँ के अभाव को बुआ ने महसूस नहीं होने दिया। फिर भी यह लगता ही था कि कहीं कुछ अधूरा है, वीरान है। कोई तड़प जगती और हम बुआ की गोद में मुँह घुसेड़कर रो दिया करते।

मेरी माँ बुआ को बहुत चाहती थी। उसकी मौत के समय मेरी उम्र एक माह की थी। भाभी के बच्चों को पालना ही बुआ ने अपना फर्ज समझा और ससुराल से अपना नाता सदा-सदा के लिए तोड़ लिया। बड़ी दो बहनों की शादी माँ के सामने हो गई थी। कौशल्या बची थी और एक मैं, जिसका बोझ बुआ के बेसहारा कंधों पर था। मौसी जब हमें लेकर कुहराम छेड़ती, तब बुआ अपनी गोद में हमें दुबका लेती और मौसी को भला-बुरा कहती, परन्तु वह थी कि समझती ही नहीं थी। बापू भी मौसी की ही तरफदारी करते थे। बुआ हमारे लिए उनसे कुछ लाने को कह देती तब मौसी बिफर उठती और हमें सौत का गोबर कहकर कोसा जाता था। बापू चुपचाप सब सुनते थे, लेकिन कहने को उनके पास कुछ नहीं होता था, और ना ही मौसी को उन्होंने कभी कुछ कहा।

मौसी के दोनों बच्चे खूब उत्पात मचाते और खुलकर हँसते-खेलते लेकिन हमारे कूदने और हँसने पर पाबन्दी थी। पड़ोस के मनहर काका के घर हमें खुलकर हँसने और खेलने की आजादी थी। वह काकी भी हमें बहुत चाहती थी। यह काकी मेरी माँ की सखी थी। बापू पहले ऐसे नहीं थे। माँ को बहुत चाहते थे और हमें भी बेहद प्यार करते थे, लेकिन यह सब माँ के सामने ही था।...अब जाने क्यों वे हम सभी से दूर रहने लगे थे। बुआ शादी के बीस वर्ष बाद भी माँ नहीं बन पाई थी। शायद कुदरत को यही मंजूर था। यह भी उन्होंने सोच लिया था कि बीस वर्षों में जब औलाद पैदा नहीं हुई तो अब कहाँ से होगी। फूफा दूसरी ब्याहता ले आये थे और उससे उन्हें चार बच्चे प्राप्त हुये। उनका घर-संसार बस गया। बुआ को यही बड़ी खुशी थी। अब शायद हमें ही पाल-पोसकर वह माँ की जगह बैठना मुनासिब समझने लगी थी। हमें रुआँसी आती तो वह छाती में हमें दुबका लेती और कहती--''मैं माँ ही तो हूँ ! पगला-- बौरा गया क्या?''

बुआ और हम सौतेली माँ के मोहताज थे। हालांकि बुआ स्वयं भी कमाती थी, और जुगाड़ नहीं हुआ तो बड़ी बहनों की ससुराल खबर कर देती, परन्तु हमें किसी चीज से निसारा नहीं रखती थी। लाली हमें लुभा-लुभा कर बाजार जाती थी। मौसी की इस लड़की को ना जाने क्यों- हमें लुभाने में बड़ा मजा आता था। मौसी उसे प्यार करती, दुलारती और हमें सुनाती हुई पैसे देकर बाजार भेजती। कहती--'कुछ लेकर खा लेना।' उस समय बुआ का मन गमगीन होने लगता था। कुछ-कुछ बुनता-सा और सूरत रोनी-सी, कभी हमें लगता भी था कि वह रो रही है। कभी वह मौसी को समझाती-''परसी की बहू, बच्चों से यह भेद अच्छा नहीं।...इन्हें भी कुछ ला दिया कर, खिला-पिला दिया कर ! परसी का ही खून है, ऐसा दुराव ठीक नहीं।'' तब मौसी होंठ बिचकाती और 'ऊहूँ' कह कुढ़ पड़ती थी।

हमें स्कूल पहुँचाकर बुआ निकट के ही गाँव में, काम पर चली जाती थी। हमें कह कर जाती- 'तुम्हारे लौटने तक आ जाऊँगी। स्कूल से सीधे घर आना, मौसी कुछ कहे तो जवाब नहीं देना। छींके पर रोटी रखी हैं--पूछकर खा लेना।'

कभी-कभार वह देर रात गए तक घर लौटती थी। हमें उसके आने का बेसब्री से इंतजार रहता और हम सड़क की उतराई पर टकटकी लगाए घंटों देखते रहते, परन्तु बुआ नहीं आती। कभी छींका खाली मिला तो भूखे ही बैठे रहते, मौसी से रोटी माँगने की हिम्मत नहीं होती थी। कहते भी तो मौसी झिड़क देती थी। गुस्से से वह कहती-''खाने का ही काम है। हर समय खाना-खाना, यहाँ कोई भंडारा खुला है- जब बने खा लेना।'' उसका 'ऊहूँ' कहकर कुढ़ना अब तक हमें याद है। दोनों भाई-बहन चुप-चुप खरगोश से तांकते और कुछ बोलते नहीं थे। बुआ काम से लौटकर पूछती-- 'खाना खाया?' तो हम झूठे ही हामी भर देते। कौशल्या कहने लगती- 'देर से क्यूँ आती हो बुआ?' तब वह कहती-'किसी दिन काम देर तक होता है तो देर हो ही जाती है।' मौसी हँस पड़ती और आँखें नचाकर चिढ़ाती--'जनना तो रहा नहीं, पोसने चली है।...मालूम नहीं कहाँ-कहाँ मरती फिरती है।' बुआ केवल घूरती-कुछ कहती नहीं। माँ के मरने से ही बुआ को यह सब सुनना पड़ रहा था। काकी बताती है- 'कभी तेरी माँ ने बुआ को इतना नहीं कहा। इज्जत भी दी और सब्र भी।'और मेरी मौसी, उसे तो बुआ फूटी आँख भी नहीं सुहाती। एक रोज बुआ बहुत उदास दिखाई दी। शायद जी-भर वह रोई भी थी। उस दिन वह खेत में हमें अपने साथ ले गई। जीजी ने पूछा-''बुआ, तुम्हें मौसी क्यों जली-कटी सुनाती है, वह घर क्या तुम्हारा नहीं?'' तिस पर वह बोली--'तू कुछ नहीं सोच...फिर मुझे ही तो कोसती है।' और इतना कहकर, हमें अंक में भर वह दहला देने वाली हूक के साथ रो पड़ी थी। उसे यूँ रोता देख हम भी रोने लगे थे। रोते-रोते जब थक गये, तो बुआ ने साग तोड़ा और पास बैठाकर हमें दिलासा देने लगी-''तुम कुछ ना सोचा करो। सोचने को मैं जो हूँ।...मुन्नू बड़ा होगा तब हमारा अपना घर बनेगा। वहाँ कोई कुछ कहने वाला नहीं होगा।''

मुझे दुलार कर कहने लगी-''तू जल्दी बड़ा हो जा मुन्नू...तुझे नौकरी लगवाऊँगी और ठाठ से तेरा ब्याह करूँगी...तब होगा अपना घर।'' वह सब सहना हमारी नियति थी। हमें अच्छे-बुरे का ख्याल होने लगा था और हम अनचाहे समय को पीछे धकेलने लगे थे। समय को पंख लगाकर उड़ा देने की लालसा थी हमारी।

मैं सोचने लगता था-''नौकरी पर खड़ा हो जाऊँगा तो बुआ को आराम दूँगा। बहुत पीड़ा सही है बुआ ने, बापू तो हमारी खैर-खबर कभी लेते ही नहीं । बुआ ना होती तो क्या होता- सोचकर भी डर लगने लगता है।'' समय बीतता रहा और हम बड़े होते रहे।

कौशल्या का चौहदवाँ साल बीत रहा था। एक रोज उसने कहा--''स्कूल नहीं जाऊँगी। तुम मजदूरी करती हो ना, मैं भी करूँगी।'' तब बुआ बिफरी--''चुपकर ! सीधे स्कूल चली जा, दो किलास पास कर लेव तो तेरा ब्याह रचा दूँ।'' कौशल्या जिद करने लगी। बुआ को गुस्सा आ गया और उसने एक जोरदार थप्पड़ कौशल्या के मुँह पर जड़ दिया। गाल सुर्ख हो गया। उसकी थकी-सी आँखों से चुप-चुप आँसू चूने लगे। बुआ भी सुबक पड़ी। सहमी-सहमी नजरों से कौशल्या उसके रोने को देखती रही और फिर उसके घुटनों में दुबककर सिसकने लगी। जीजी ने फिर मजदूरी पर जाने को कभी नहीं कहा। एक रोज मौसी और बुआ में जोरदार झगड़ा हुआ। मौसी ने हमारे गूदड़ फेंक दिये और बुआ को घर की कच्ची कोठरी में रहने को ढकेल दिया। बापू ने सब देखा पर अनजान बने रहे।

उस शाम, दरवाजा खुला था। भीतर गहरा सन्नाटा व्याप्त था। बाती तक नहीं जली थी। मुझे चिंता हुई-''क्या बुआ घर में नहीं है? बाती क्यूँ नहीं जलाई...कहीं बुआ बीमार तो नहीं?'' मन घबराने लगा था। तेज-तेज कदमों से मैं भीतर पहुँचा। बुआ को आवाज दी।

तब के बाद हम वहीं रहने लगे। बुआ सुबह काम पर जाती और देर संध्या तक घर लौटती। जीजी घर का काम सँभालती। स्कूल जाने तक और स्कूल से लौटने तक सब काम निपटा लेती। कच्ची कोठरी में हम पहले से सुखी थे। वहाँ आनन्द ही आनन्द था। अपना मन और अपनी खुशी थी। गरीब हुये तो क्या हुआ-खुलकर हँस तो सकते थे। रोने पर भी कोई पाबन्दी नहीं थी। अब बुआ को भी हम पहले सी चुप-चुप और गमगीन नहीं देखते थे। लेकिन बुआ काम से थकी-थकी घर लौटती और नींद में कुहुलती थी। समय बीतता गया और जीजी ने दसवीं पास कर ली। तब, एक रोज--बड़ी जीजी व जीजाजी घर आए। उनके साथ दो औरतें भी थीं और एक पगड़ बाँध बुड्ढा भी। वह कौशल्या को देखने आये थे। बड़े जीजा के रिश्तेदार थे और उन्हीं के कहने से बुआ ने यह रिश्ता पक्का किया था। रिश्ता तय हुआ तो बुआ ने राहत की साँस ली। शादी की तारीख पक्की नहीं हुई थी लेकिन बुआ बहुत प्रसन्न थी।

मैं उस वक्त आठवीं में पढ़ रहा था। बुआ का स्वप्न जाग उठने को आतुर था। उसे राहत मिल रही थी कि अगले दो वर्ष में मुन्नू दसवीं पास कर लेगा। कहीं नौकर होगा तो राहत की साँस लूँगी। वह अब खामोश नहीं रहती थी, खूब चिहुँकती थी और खुश रहती थी। कहती थी--''साल-दो साल की मेहनत है, मुन्नू सब सँभाल लेगा। सुख की नींद सोऊँगी और बहू से डटकर सेवा कराऊँगी। मेरा बेटा नौकर होगा तो घर भर को आराम देगा। बुढ़ापा आ गया है, अब आराम की साँस लूँगी। भाभी का कहा पूरा हुआ। मुझे सुख मिलेगा और उसकी आत्मा को शान्ति। परसी ने जो किया-वह भोगे। खैर ! अब दिन ही कितने हैं?''जीजी आज दुल्हन बनी है। आँगन में मंगल-गीत गाये जा रहे हैं। ढोलक, थापी और नाच-आनन्द! रस्म हुई और कौशल्या को डोली-सी सजी कार में लिए उसका दूल्हा अपने गाँव ले गया। गाँव भर ने जीजी को खूब कन्यादान दिया था। मौसी ब्याह में शामिल नहीं हुई और ना ही उसने बापू को हम तक आने दिया। बापू की जगह मनहर काका ने पूरी की। विदाई के समय जीजी काका के गले लगकर जी-भर रोई थी। काका ने कहा था-''रो नहीं बेटी, जिनके पिता नहीं--वे अनब्याही नहीं रहतीं और तेरे पास तो काका है, बुआ है, बड़ी बहनें और भाई है।...तू काहे रोती है।'' पराया धन पराया हो गया। बुआ को जब कभी उसकी याद आती तो वह मुझे गोदी में दुबका लेती और बिस्तर में पड़ रहती।

समय के साथ-साथ बुआ अब बुढ़ा गई थी। उसे चिन्ता थी-''जाने मेरे बाद मुन्नू का क्या होगा, कौन सम्भालेगा इसे? बुढ़ापा आ धमका, अब क्या भरोसा।''मैंने इसी साल मैट्रिक पास किया था। बड़े जीजाजी ने नगर पालिका में जुगाड़ देखा और मुझे नौकरी पर खड़ा कर दिया। बुआ को मानो कारू का खजाना मिल गया था। वह बड़े जीजाजी की तारीफ करती नहीं अघाती थी। वर्षों से जो स्वप्न देख रही थी, वह पूरा होने को था। अब यही तमन्ना बाकी थी कि 'मुन्नू का ब्याह रचा दूँ और सुन्दर-सी बहू मेरे आँगन में दिखाई दे।' बापू के प्रति कभी-कभार उसका विक्षोभ फूट पड़ता था और वह ना जाने उन्हें कितना कुछ कह जाती थी। मेरी माँ को वह अब तक भुला नहीं पाई थी।

मेरा वह इतना ख्याल रखती थी कि जरा-सा मुझे कुछ हुआ नहीं कि हिरनी-सी सहम जाती और अपने ही घर में बीमार-सी लगने लगती। मानो कोई खुशी उसके हाथों से निकली जा रही हो ! मेरे बाहर जाने पर चिन्तित हो उठती थी और मेरे लौटने तक फिक्र में ही कुढ़ती रहती। उस शाम, दरवाजा खुला था। भीतर गहरा सन्नाटा व्याप्त था। बाती तक नहीं जली थी। मुझे चिंता हुई--''क्या बुआ घर में नहीं है? बाती क्यूँ नहीं जलाई...कहीं बुआ बीमार तो नहीं?'' मन घबराने लगा था। तेज-तेज कदमों से मैं भीतर पहुँचा। बुआ को आवाज दी। सन्नाटा और गहरा महसूस हुआ। दीया जलाया तो देखा- लकड़ी के खम्ब से पीठ टिकाए बुआ मौन बैठी है। मन थर-थर काँपने लगा...कुछ शंका भी हुई। छूकर देखा- बुआ नहीं थी। बची थी सिर्फ माटी। सूखा तन-निढ़ाल। आँखें दरवाजे पर लगी थी, पूरी खुली हुई आँखें... मेरी ही बाट जोहती। हथेली से पलकों को मूँदा और बुआ की गोद में सिर रख फूट पड़ा। चीखने लगा मन। बुआ-बुआ पुकारता मैं तड़फने लगा था...लेकिन मेरी बुआ ने आँखें खोलकर एक बार भी मुझे नहीं देखा। बुआ कहूँ या माँ, जिसकी अर्थी को कन्धों पर उठाए चल रहा हूँ। पीछे रह गया बहनों का आंतर्नाद...मन के गह्नर में बुआ की जिन्दा छवि उभर आई जिसमें उसे कहते सुना-''मुन्नू सब सँभाल लेगा...सुख की नींद सोऊँगी मैं...बहू से डटकर सेवा कराऊँगी।'' मन चीख पड़ा- ''बुआ..!'' लेकिन बुआ तो नहीं बोली..।

कविता

कृष्ण लाल' गिरधर '

वक्त को वक्त नहीं लगता

वक्त चलता है अपनी चाल से उसे वक्त नहीं है।
मानव चलता है अपनी चाल से वह कमबख्त नहीं है।
वक्त ना देखे ऊंचा नीचा क्या वह सख्त नहीं है?
मानव भरा ऊंच-नीच से क्या वह कमबख्त नहीं है?

वक्त को वक्त नहीं है पर रहता है सावधान।
मानव वक्त के आगे झुकता खो देता है पहचान।
वक्त वक्त में वक्त बदलता, ना छोड़ेगा अपनी चाल।
मानव से गिरगिट शर्माए बदल बदल कर है बदहाल।

वक्त सभी को वक्त है देता, पहचान कराता वक्त पर।
उस मानव को सबक सिखाएं जो जीता दूजे के हक पर।
वक्त को वक्त नहीं लगता, वो वक्त पर बतलाता है।
जो मानव वक्त चूक गए , वक्त लौट ना आता है।

वक्त नहीं गुलाम किसी का अपनी इसकी है रफ्तार ।
वक्त के आगे सभी नतमस्तक, करता सभी से सम व्यवहार।
वक्त को वक्त नहीं लगता, छुड़वा देता है घर बाहर।
वक्त को वक्त नहीं लगता, पहना देवे खुशियों के हार।

मंथन

पं . कमलकांत भारद्वाज

धैर्यविहीन युवा

बुजुर्ग समाज का आईना होते हैं । मैंने उनसे काफ़ी अनुभव और शिक्षाप्रद बातें सुनी। शेर ही जंगल का राजा क्यों हैं जबकि हाथी उससे कई गुना ताक़तवर और शक्तिशाली है। लेकिन शेर धैर्यवान है। एक रोज मैं अपने कुछ दोस्तों के साथ चर्चा कर रहा था कि आज की युवा पीढ़ी यानी 21वीं सदी के बच्चों के पास सभी सुख-सुविधाएं हैं जो कि आधुनिक युग के अनुसार परिपूर्ण है। लेकिन फिर भी आत्महत्या, रिश्तों में दरार और समस्याओं का तुरन्त समाधान चाहिए ऐसी स्थिति देखने को मिलती हैं। इन सभी का एक ही कारण है वो है धैर्यहीनता,सहनशीलता में कमी या सब्र न होना। अगर जीवन में कुछ करना है और निरन्तर पानी की तरह बहते रहना है तो युवा पीढ़ी को सहनशील या धैर्यवान बनना पड़ेगा। धैर्य आपकी क्षमता को प्रदर्शित करता हैं आप, धैर्यवान बनेंगे तो आप शक्तिशाली बनेंगे जंगल के राजा शेर की तरह जो भरपेट होने के बाद शिकार नहीं करता सब्र करता हैं।

कविता

प्रोफ़ेसर ज्योति राज

प्रभात

नयन का नयन से नमन हो रहा है
ज़मीं पर ऊषा आगमन हो रहा है

परत दर परत चाँदनी कट रही है
वो देखो निशा का गमन हो रहा है

बढ़ी जा रही हौले हौले अरुणिमा
नये दिन का कैसा सृजन हो रहा है

मधुर मुक्त आभा सुगंधित पवन है
लगता है कहीं पर हवन हो रहा है

समय ये सराबोर उल्लास से है
चहूँ ओर उजला सदन हो रहा है

नया दिन हो जैसे नये गान जैसा
हृदय 'राज' कितना मगन हो रहा है

मुक्तक

वीरेंद्र मधुर

सीमाएं

आतंकी रूबरू रहा होगा,
जो मरा वो हिंदू रहा होगा।
मधुर जो पूछता कि धर्म क्या ,
वहीं खून का बिंदू रहा होगा।।

तनावों से भरी सीमाएं हैं ,
हलक में घुसी चिंताएं हैं।
आग के संवाद से मधुर,
आतंक की भागी हवाएं हैं।।

अब चलेंगी मिसाइल ऐसा धुआं होगा,
दुश्मन के पेट में अब लंबा सुआ होगा।
देश में आक्रोश मधुर मासूमों के बदले,
आतंकियों के वास्ते सूखा कुआं होगा।।

प्रसिद्ध साहित्यकार और कवि डॉ. शिवकांत शर्मा का आधुनिक युग में साहित्य के सामने आ रही चुनौतियों को लेकर कहना है कि हमारे साहित्य का बहुत ही गौरवशाली इतिहास रहा है, जो आज के दौर में अनेक कारणों से उपेक्षित है। इसका कारण सोशल मीडिया की विस्तारित लोकप्रियता, बढ़ते पाश्चात्य प्रभाव, मनोरंजन प्रधान मानसिकता आदि है, जिसकी वजह से समाज के बड़े हिस्से को स्तरीय व संस्कारित साहित्य से विमुख किया है।

साक्षात्कार

ओ.पी पाल

साहित्य के बिना समाज की कल्पना संभव नहीं : डॉ. शिवकांत शर्मा

भारतीय संस्कृति और सामाजिक परंपराओं को इस आधुनिक युग में जीवंत रखने की चुनौतियों से निपटने के लिए लेखक, कवि, गजलकार और साहित्यकार अपनी अलग-अलग विधाओं में साहित्य संवर्धन करने में जुटे हैं। साहित्य से जुड़े विद्वानों में ऐसे ही साहित्यकारों में डा. शिवकांत शर्मा भी शुमार हैं, जो समाज को नई दिशा देने के मकसद से चिकित्सक होने के साथ साहित्यिक साधना करते आ रहे हैं। उन्होंने सामाजिक सरोकार, समसामयिक चिंतन, व्यवस्था से जूझते मानवीय संघर्ष व भारतीय मूल्यों के संरक्षण व संवर्धन जैसे गंभीर मुद्दे अपने लेखन के मूल भाव में समाहित किये हैं। हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में डा. शिवकांत शर्मा 'शिव' ने कुछ ऐसे अनछुए पहलुओं का जिक्र किया है कि साहित्य के बिना समाज की कल्पना करना बेमानी है।

हरियाणा के भिवानी में पेशे से चिकित्सक एवं साहित्यकार व कवि के रूप में लोकप्रिय डॉ. शिवकान्त शर्मा का जन्म हिसार जिले के गांव पेटवाड़ में मदनगोपाल शास्त्री और शशि देवी के घर में 23 जून 1958 को हुआ। उनके दादा पंडित रामप्रसाद उस समय के सुप्रसिद्ध लोककवि रहे हैं, जिन्होंने अनेक खंडकाव्य लिखे और वे सनातन के प्रबल प्रचारक व लोकप्रिय भजनोपदेशक भी थे। इनके पिता मदन गोपाल शास्त्री भी हरियाणवी संस्कृति के पुरोधा के रूप में हरियाणा के शीर्षस्थ साहित्यकारों में शुमार रहे हैं, जिनकी हिन्दी व हरियाणवी में 10 पुस्तकें सभी लेखन विधाओं में प्रकाशित हुई हैं। हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा उन्हें पंडित लखमीचंद सम्मान (2009) व महाकवि सूरदास सम्मान(2013) से विभूषित किया गया। परिवार से मिली साहित्यिक विरासत को आगे बढ़ा रहे डा. शिवकांत शर्मा भी बचपन से ही इस क्षेत्र में अभिरुचि रखने लगे थे। हिंदी गीत, हरियाणवी गीत, कविता, दोहे और ग़ज़लों के साथ कहानी लेखन में भी गहन अभिरुचि रखने वाले डा. शिवकांत शर्मा ने अपनी पहली रचना एक कविता के रूप में महज 16 साल की आयु में लिख डाली थी। मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के बाद शुरू हुई उनकी साहित्यिक यात्रा अनवरत जारी है। उनकी सर्वप्रिय विधा गीत लेखन है। अपनी विलक्षण प्रतिभा के बल पर एमबीबीएस, एमडी की शैक्षणिक डिग्रियां हासिल करके भिवानी में एक अस्पताल का संचालन करके वरिष्ठ छाती रोग विशेषज्ञ के रूप में स्वास्थ्य सेवाएं दे रहे हैं। बकौल डा. शिवकांत शर्मा, साहित्य जगत की शुरुआत में उन्होंने नीरज के गीतों से प्रेरित होकर अनेक गीत व कुछ कविताएं लिखीं, जिनका प्राणतत्व प्रेम भाव व प्रणय केंद्रित रहा है। उनकी रचनाए कॉलेज मैगजीन में भी छपती रही। वर्ष 1985 में उनकी नियुक्ति भिवानी के सरकारी अस्पताल में हुई, जिसके बाद उन्हें अनेक साहित्यिक अनुष्ठानों में भाग लेने का मौका मिलने लगा। यहां के शायरों के सम्पर्क व प्रभाव में आकर उनकी ग़ज़ल लेखन में रुचि और गहराती चली गई, हालांकि उनका गीत लेखन भी निरंतर चलता रहा। साहित्यिक मंच मिलने से अपनी रचनाएं सुनाने व और गुणी मित्रों की रचनाएं सुनने से लेखन में सुधार व निखार आया। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक प्रेम भाव केंद्रित रचनाओं के बाद उनके लेखन के मूल भाव में मुख्यतयाः सामाजिक सरोकार, समसामयिक चिंतन, व्यवस्था से जूझते मानवीय संघर्ष व भारतीय मूल्यों के संरक्षण व संवर्धन जैसे गंभीर विषय रहे हैं। वहीं पिछले कुछ समय से हरियाणवी ग़ज़ल में विशेष रुचि होने पर उन्होंने कुछ ग़ज़लें ठेठ हरियाणवी भाषा में भी लिखी और साहित्यिक मंचों से सुनाए जाने पर उन्हें लोकप्रियता मिली, जिन्हें सराहना भी मिली। डा. शिवकांत ने आकाशवाणी, हिसार दूरदर्शन, जनता टीवी आदि चैनलों पर आयोजित विभिन्न मुशायरों व कवि सम्मेलनों में सहभागिता की है और अखिल भारतीय 'ग़ज़ल कुम्भ' में कई बार ग़ज़ल पाठ किया। इनका कहना है कि जहां तक युवा पीढ़ी में साहित्य के प्रति अनुराग पैदा करने का सवाल है उसके लिए स्कूल स्तर पर उन्हें अपनी समृद्ध सांस्कृतिक व साहित्यिक धरोहर से परिचित करवाना आवश्यक है। स्कूल व कॉलेज स्तर पर कविता लेखन प्रतियोगिताएं और कार्यशाला आयोजित कर युवा पीढ़ी को प्रोत्साहित करना होगा। वहीं आकाशवाणी व दूरदर्शन से युवा केंद्रित साहित्यिक गतिविधियां बढ़ाने की आवश्यकता है।

प्रकाशित पुस्तकें

वरिष्ठ साहित्यकार एवं कवि डा. शिवकांत शर्मा की प्रकाशित पुस्तकों में हरियाणा साहित्य अकादमी के सौजन्य से एक ग़जल संग्रह 'दर्द की दहलीज से' प्रमुख रूप से सुर्खियों में है, जिसमें 84 गजलें शामिल हैं। जबकि उनका एक ग़जल संग्रह व गीत संग्रह प्रकाशनाधीन हैं। ग़जल संग्रह 'दर्द की दहलीज से' की भूमिका वरिष्ठ शायर ज़मीर दरवेश ने लिखी है। उनके लिखे गीत ग़ज़लें और अन्य रचनाएं राष्ट्रीय पत्र, पत्रिकाओं के अलावा काव्य संग्रहों में संकलित होकर प्रकाशित हुई हैं।

डॉ . शिवकांत शर्मा

पुरस्कार व सम्मान

साहित्य के क्षेत्र में श्रेष्ठ उपलब्धियों के लिए डॉ. शिवकान्त शर्मा को हरियाणा साहित्य अकादमी ने उनके ग़जल संग्रह 'दर्द की दहलीज से' को सर्वश्रेष्ठ कृति सम्मान से नवाजा है। वहीं वे राज्यकवि उदयभानु 'हंस' कविता सम्मान से भी अलंकृत हो चुके हैं। उन्हें विशिष्ट साहित्यिक अलंकरण, भिवानी रत्न, ग़ज़ल-गौरव सम्मान, पं. देवराज संधीर स्मृति सम्मान, पंडित माधव मिश्र भिवानी गौरव सम्मान जैसे अनेक पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : डॉ. शिवकान्त शर्मा 'शिव'
जन्मतिथि : 23 जून 1958
जन्म स्थान : गांव पेटवाड़ (हिसार)
शिक्षा : एम.बी.,बी. एस, एम.डी.
संप्रति : चिकित्सक,साहित्यकार एवं कवि

अनछुए पहलुओं की दास्तां 'हाजरा का बुर्का ढीला है'

पुस्तक : हाजरा का बुर्का ढीला है
लेखिका : डॉ. तबस्सुम जहां
मूल्य : 17 5 रुपये
प्रकाशक : शिवना प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा

डॉ. अल्पना सुहासिनी

हाजरा का बुर्का ढीला है, डॉ. तबस्सुम जहां द्वारा लिखित एक रोचक एवं पठनीय कहानी संग्रह है। इस कहानी संग्रह में समाज के छुए-अनछुए पहलुओं पर बड़ी ही गहनता और मार्मिकता के साथ प्रकाश डाला गया है। संवाद शैली ऐसी है, कि कहानी को एक बार पढ़ना शुरू किया जाए, तो पूरी पढ़े बिना नहीं रहा जाता।

समाज के विभिन्न पहलुओं पर लिखी गई कहानियां दिल को छू जाती हैं और यह सोचने पर मजबूर कर देती हैं कि इतने समृद्ध कहे जाने वाले समाज में कुछ चीजें आज भी ज्यों की त्यों बनी हुई हैं। सभी कहानियां आरम्भ से लेकर अंत तक पाठक को बांधे रखती हैं। चूंकि कहानीकार स्वयं स्त्री हैं तो उनकी कहानियों में स्त्री पक्ष की दुविधाएं और विसंगतियां भी बखूबी उभरकर आई हैं। यह तबस्सुम जहां का पहला कहानी संग्रह है जिसमें 12 कहानियां हैं। शीर्षक कहानी, हाजरा का बुर्का ढीला है, पाठकों को सबसे ज़्यादा प्रभावित करती है। इस कहानी की विशेषता है संवादात्मक शैली। लेखिका ने अपनी कहानियों को बोझिलता से पूर्णतः बचाए रखा है और उनमें सरसता का पुट बनाए रखा है जिसके चलते कहानियाँ भीतर तक उतरती चली जाती हैं। इनकी कहानियों की जो दूसरी विशेषता हमारा ध्यान खींचती है वह है आंचलिकता का पुट। आधुनिक दौर में लेखन से आंचलिकता कहीं दूर जा रही हैं लेकिन ये कहानियाँ उस आंचलिकता को अपने में समेटे हैं जिस कारण उनकी सौंधी महक पाठकों को प्रफुल्लित, आनंदित करती है। मौत बेआवाज़ आती है, नामक कहानी में अपनी रोजी रोटी की जुगत में लगे मजदूरों की तकलीफ़, उनके दर्द, उनकी टीस की अभिव्यक्ति जिस देशज भाषा में हुई है उस प्रयोग ने कहानी को आमजन की कहानी बना दिया है। 'गुरु दक्षिणा' कहानी की अगर बात करें तो वह कहानी भी कहीं न कहीं शिक्षा जगत के अंधेरे पक्षों पर रोशनी डालती है। 'अपने अपने दायरे' कहानी में लेखिका ने मिसेज़ गिल की पूरी जिंदगी को 20 गोले के ज़रिए ऊकेर कर रख दिया है। उनकी, 'सच्चा भक्त' कहानी वर्तमान असहिष्णु दौर में शीतल बयार जैसी लगती है।

लेखिका को हिंदू मुस्लिम दोनों संस्कृतियों की नब्ज़ पता है, वे उनके भीतर तक पैठी हैं। इन संस्कृतियों में और इसी कारण उन्होंने जो भी लिखा वह अधिक विश्वनीय दस्तावेज है। संग्रह की अन्य कहानियां झूठा ईश्वर, प्रेम और समर्पण, कला और भीख, शहर वापसी भी अपने रोचक क्लेवर से पाठकों का ध्यान अपनी ओर खींचती हैं।

खबर संक्षेप

पर्यटकों की आत्मा शांति के लिए किया हवन

रोहतक। भारत स्वाभिमान न्यास रोहतक द्वारा आज रविवार को सैनिक पार्क सेक्टर 4 रोहतक एसोशिएशन मे साधारण बैठक मे पहलगाम मे शहीद भारतीय की आत्मा की शांति के लिए वैदिक हवन मे योग समिति द्वारा आहुति डाली गई सभी ने एक मत से आतंकवाद को समापत करने के लिए जो भी लड़ाई करनी हा करो हम भारत सरकार के साथ है। इस मौके पर दया आर्य ,जगबीर आर्य,सुभाष सांगवान ,सुनीता, महक व संगीता उपस्तिथ रही।

परीक्षा पास करने पर 87 बच्चों का लिया साक्षात्कार

रोहतक। माता धनपति देवी चैरिटेबल ट्रस्ट में निशुल्क पढ़ाए जाने के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में पास होने वाले छात्र-छात्राओं का साक्षात्कार डीके जैन की देख रेख में आयोजित किया गया। जिसके आधार पर पांचवी कक्षा से दसवीं कक्षा तक के 87 छात्र-छात्राओं को ट्रस्ट परिवार में सम्मलित किया गया।

बॉक्सिंग चैंपियनशिप में जिले के खिलाड़ियों ने जीते चार मेडल

सुहाग ने 60-65 किलोग्राम भार वर्ग, गौरव कादियान ने 80-85 किलोग्राम में जीता पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

ग्रेटर नोएडा स्थित शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में 21 से 27 अप्रैल तक आयोजित 7वीं पुरुष युवा राष्ट्रीय बॉक्सिंग चैंपियनशिप में जिले के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण तथा एक सिल्वर मेडल जीत कर जिले का नाम रोशन किया है।

बाक्सिंग कोच हितेश देशवाल ने बताया कि खिलाड़ी मौसम सुहाग ने 60 से 65 किलोग्राम भार वर्ग, गौरव कादियान ने 80 से 85 किलोग्राम भार वर्ग तथा हेमंत सांगवान ने 85 से 90 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया। इसके अलावा दिपांशु गुलिया ने 75 से 80 किलोग्राम भारवर्ग में खेलते हुए रजत पदक अपने नाम किया। उन्होंने बताया कि इन चारों खिलाड़ियों के माता-पिता ने जिस समर्पण और धैर्य से अपने बच्चों का साथ दिया, वह अत्यंत सराहनीय है।

इन युवा बॉक्सरों ने यह साबित कर दिया है कि अगर जुनून हो, सही मार्गदर्शन हो और परिश्रम की आग हो, तो कोई भी सपना छोटा नहीं होता। आने वाले समय में, ये खिलाड़ी न केवल राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी भारत और झज्जर का नाम रोशन करेंगे। खेल प्रेमियों ने इस उपलब्धि के पीछे कोच हितेश देशवाल के अथक परिश्रम, मार्गदर्शन और प्रेरणा की सराहना की। ये खिलाड़ी पहले भी कई बार अपने राज्य का नाम रोशन कर चुके हैं।

झज्जर। होनहार खिलाड़ी के साथ कोच हितेश देशवाल।

■ दिपांशु गुलिया ने 75 से 80 किलोग्राम भारवर्ग में खेलते हुए रजत पदक अपने नाम किया

झज्जर। वूशु प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के हाथ मिलवाते हुए अतिथि।

वूशु प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा

झज्जर। क्षेत्र के गांव डीघल स्थित ब्रिगेडियर रणसिंह कबड्डी अकेडमी में रविवार को जिला स्तरीय वूशु प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले भर से करीब दो सौ खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान मुख्य रूप से उपस्थित सचिन भगत सिंह, कुलबीर अहलावत, प्रवीन कुमार, राजीव डागर, चांदराम कोच, राजकुमार, सनम खन्ना व आशा रानी ने खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर उन्हें आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित किया। चयनित खिलाड़ी अब आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा दिखाएंगे।

झज्जर। समारोह के दौरान उपस्थित जिप चेयरमैन कप्तान बिरधाना व भाजपा जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि। फोटो : हरिभूमि

बाबा साहेब के सिद्धांतों को अपनाने को किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ राष्ट्रीय चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वाधान में रविवार को जिला स्तरीय बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला परिषद चेयरमैन कप्तान सिंह बिरधाना ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने मौजूदा जनसमूह से आह्वान किया कि वे बाबा साहेब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाए। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने जो सपना सामाजिक समानता, शिक्षा और अधिकारों के लिए देखा था, आज हमारी बेटियां उस दिशा में समाज का मार्गदर्शन कर रही हैं। बेटियों के बिना सशक्त समाज की कल्पना अधूरी है, और ऐसे आयोजनों के माध्यम से समाज में जागरूकता की अलख जलती है। समारोह में भाजपा जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि, प्रदेश सचिव पूनम, सुभाष सैनी, रामेश्वर गोठवाल, राज रानी, जगमाल मारौत, कृष्ण नीलोहेड़ी, अमित देशवाल, अजय बेनीवाल, सत्यवान पांचाल और सोनिया आदि ने भी अपने विचार रखते हुए बाबा साहेब के सिद्धांतों को अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, भाषण प्रतियोगिताएं तथा बेटियों द्वारा सामाजिक जागरुकता के संदेशों का भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया गया।

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के बीच उपस्थित एएसआई राखी। फोटो : हरिभूमि

ग्रामीणों को किया नशे के प्रति जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

■ नशा एक प्रकार की बीमारी है लेकिन उपचार संभव: एएसआई

क्षेत्र के गांव कबलाना में रविवार को नशा मुक्ति को लेकर एक कार्यक्रम का आयोजन कर ग्रामीणों को नशे के प्रति जागरुक किया गया। ग्राम सरपंच उषा देवी ने बताया कि जिला पुलिस के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान युवाओं को किसी भी प्रकार का नशा न करने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में एएसआई राखी ने अपने संबोधन में कहा कि नशा एक प्रकार की बीमारी है लेकिन उपचार संभव है। यह कार्यक्रम ग्राम पंचायतों को ड्रग एवं हिंसा से मुक्त करने का प्रयास है।

इसे सफल बनाने के लिए ग्रामवासियों का सहयोग जरूरी है। सरपंच प्रतिनिधि हंसबीर कोडान ने युवाओं को दिए अपने संदेश में कहा कि वे शराब, बीड़ी-सिगरेट, ड्रग आदि किसी भी नशे का सेवन न करें।

जनता महंगाई की मार से पीड़ित : प्रताप शामल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) ने अपने 78वें स्थापना दिवस पर राज्य स्तरीय जनसभा स्थानीय कृष्ण भवन, दिल्ली बाईपास रोहतक में आयोजित की। जिसकी अध्यक्षता राज्य सचिवमंडल सदस्य किसान नेता कामरेड अनूप सिंह मातनहेल ने की। मुख्यवक्ता एसयूसीआई की केंद्रीय कमेटी सदस्य कामरेड प्रताप शामल एवम वक्ता राज्य सचिव कामरेड राजेन्द्र सिंह थे।

जनसभा को संबोधित करते हुए कामरेड प्रताप शामल ने कहा कि केंद्र एवम राज्य सरकारों की पूंजीपतिपरस्त एवम जन विरोधी नीतियों का ही परिणाम है कि मेहनती जनता महंगाई की मार से पीडित हैं। बेरोजगारी बढ़ रही हैं। कर्ज के बोझ तले दबकर किसान मजदूर आत्महत्या करने को मजबूर हैं। ट्रेड यूनियन अधिकारों को श्रम कोड लाकर खत्म कर दिया गया है। स्कीम वर्कर्स को न्यूनतम वेतन नही दिया जा रहा है।

हर विरोध कि आवाज को दबाया जा रहा है। उन्होंने कहा जात पात व धर्म के नाम से जनता की एकता को तोड़ने की गंभीर साजिशें चल रही हैं। ऐसी हालत में एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) ही पार्टी के संस्थापक कामरेड शिबदास घोष की सीखों के आधार पर कमेरी जनता के बीच एक नई उम्मीद के रूप में उभर रही है। एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) ने अपने 78वें स्थापना दिवस पर राज्य स्तरीय जनसभा स्थानीय कृष्ण भवन, दिल्ली बाईपास रोहतक में आयोजित की। जिसकी अध्यक्षता राज्य सचिवमंडल सदस्य किसान नेता कामरेड अनूप सिंह मातनहेल ने की।

शिविर में 61 युवाओं ने किया रक्तदान

झज्जर। शिविर के दौरान रक्तदाताओं को बैज लगाकर उनका उत्साह बढ़ाते हुए अतिथि। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेरी

रविवार को स्थानीय अग्रवाल स्वागत भवन काठ मंडी में क्षेत्र की गैर-सरकारी संस्था युवा जागृति एवं सामाजिक उत्थान मंच द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। सुबह नौ बजे शुरू हुए इस रक्तदान शिविर में संजय कबलाना ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। शिविर में रक्त एकत्रण का कार्य बाढ़सा एम्स ब्लड बैंक के डॉक्टर दीप्ति रंजन रावत व विपिन की टीम द्वारा किया गया। मुख्यातिथि ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर उनका उत्साह बढ़ाया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों में युवाओं को बढ़ चढ़ कर भाग लेना चाहिए।

ये रहे मौजूद

इस दौरान पूर्व पार्षद जय भगवान, संगठन के पूर्व अध्यक्ष नवीन बंसल, अध्यक्ष दिनेश कुमार, प्रदीप ऐरण, अभय ऐरण, राजेंद्र कंसल, सोनू ऐरण, मनीष ऐरण, मोहित वर्मा, प्रतीक बंसल, भाजपा बेरी मंडल के उपाध्यक्ष रविन्द्र कुमार, पंडित दयाशंकर, सुभाष शर्मा, कृष्ण शर्मा व बलजीत रोहिल्ला सहित अन्य भी उपस्थित रहे। शिविर के दौरान कुल 61 यूनिट एकत्रित किया गया। इस दौरान कई युवा ऐसे थे जिन्होंने एक से अधिक बार रक्तदान किया तो कई ऐसे भी रहे जिन्होंने पहली बार रक्तदान करके पुण्य कमाया।

दुकानदारों की दादागिरी, सड़क पर सामान रख कर रहे कारोबार

महम में सड़क को भी दे रखा किराए पर, रेहड़ी वालों से वसूल रहे मासिक किराया,आंख मूंदे बैठे नपा अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

भारतीय संविधान ने हमें अधिकार दिए हैं। इन अधिकारों के साथ साथ हमें कर्तव्य भी बताए गए हैं। यदि हमारे अधिकारियों का हनन होता है तो हम अपने अधिकार मांगने में देर नहीं लगाते। अधिकार हासिल करने के लिए जितनी तत्परता दिखाते हैं, उतनी जल्दबाजी से कर्तव्यों का पालन नहीं करते। यही वजह से देश का सिस्टम खराब हो रहा है। देश के धन का एक बहुत बड़ा हिस्सा और देश की ऊर्जा इस सिस्टम को ठीक करने में ही बर्बाद हो रही है। इसकी मुख्य वजह हमारी मानसिकता है। वैसे तो यदि सिस्टम को ठीक करने की बात करें, तो यह एक लंबा विषय है। मगर यदि महम की सड़कों पर अतिक्रमण की बात की जाए तो यहां पर दुकानदारों की धक्काशाही देखने को मिल रही है। कब्जा जमाए बैठे

दुकानदारों पर कार्रवाई की हिम्मत किसी अधिकारी की नहीं, बड़ा सवाल

शहर में इक्का दुक्का दुकानदारों को छोड़कर ज्यादातर दुकानदारों ने सड़कों पर अतिक्रमण कर रखा है। दुकानदार सड़क पर रखकर सामान बेच रहे हैं। उनकी दुकानों में सामान कम है और सड़क पर ज्यादा सामान रखा हुआ है। दुकानदारों ने सरकारी सड़क को भी किराए पर दिया हुआ है। दुकान के आगे रेहड़ी लगवाते हैं और रेहड़ी वालों से मासिक किराया वसूल करते हैं। दुकानदारों के हौसले इतने बुलंद हैं कि उन्होंने सरकारी सड़क को भी किराए पर चढ़ा दिया है। स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी और नगर पालिका अधिकारी जान बूझकर अनजान बने हुए हैं। अब यह सवाल यह है सड़कों पर कब्जा जमाए बैठे इन दुकानदारों पर कार्रवाई करने की हिम्मत किसी अधिकारी में नहीं है। क्योंकि कई पार्षद नगर पालिका कार्यालय में इनकी पैरवी करते हैं।

कार्रवाई होने पर व्यापार मंडल के नेता बनते ढाल

सड़क कब्जाकर दुकान से बाहर रोड पर गद्दी बनाकर व गल्ला रखकर बैठे इन दुकानदारों का कुछ नहीं बिगड़ता। इन अतिक्रमणकारियों को यह भी पता है कि यह केवल ढकोसला है, कुछ होने वाला नहीं है। ये दुकानदार पीछे से ये भी कहते हुए सुने जाते हैं कि इनसे पहले यहां कई सेक्रेटरी व नगर पालिका अधिकारी आकर चले गए। उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ पाया। उधर इन दुकानदारों के पास व्यापार मंडल की भी ताकत है। अतिक्रमण हटाने या जुर्माना किए जाने की कार्रवाई शुरू होते ही व्यापार मंडल के नेता इनकी ढाल बन जाते हैं। स्थानीय नेताओं और उच्च अधिकारियों के पास यह दुहाई दी जाती है कि फलां अफसर दुकानदारों को परेशान कर रहा है। ऊपर से फोन आता है तो नगर पालिका अधिकारी का जोश ठंडा हो जाता है।

दिव्यांगों को समान अवसर, संसाधन व सहयोग की जरूरत : डॉ. शरणजीत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

■ सक्षम व्यक्तियों को सशक्त बनाने में समावेशी शिक्षा की भूमिका वर्तमान परिदृश्य विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

आज ऐसी समावेशी शिक्षा प्रणाली विकसित करने की जरूरत है, जिसमें प्रत्येक बच्चे विशेषकर विशेष रूप से सक्षम व्यक्तियों (दिव्यांगों) को समान अवसर, संसाधन और सहयोग प्राप्त हो। जो सुनिश्चित करे कि कोई भी बच्चा केवल अपनी विशेष क्षमताओं के कारण मुख्यधारा से अलग न रहे। ये बात भारतीय पुनर्वास परिषद की अध्यक्षा डा. शरणजीत कौर ने महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान कही। एमडीयू के सेंटर फॉर डिसेबिलिटी, सक्षम एनजीओ तथा चौ. रणबीर सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड इकोनॉमिक चेंज के तत्वाधान स्वराज सदन में सक्षम व्यक्तियों को सशक्त बनाने में समावेशी शिक्षा की भूमिका वर्तमान परिदृश्य विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ करते हुए डा. शरणजीत कौर ने वर्तमान समय में सक्षम व्यक्तियों के सशक्तिकरण में समावेशी शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया। एमडीयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने कहा कि समावेशी शिक्षा न केवल विशेष रूप से सक्षम व्यक्तियों को सशक्त बनाती है, बल्कि एक सहिष्णु, समान और समावेशी समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जरूरत इस बात की है कि इस दिशा में किए जा रहे प्रयासों को और अधिक ठोस, व्यावहारिक तथा व्यापक बनाया जाए।

प्राचीन खाटू श्याम मंदिर में मासिक संकीर्तन का आयोजन

दुनिया चले ना श्रीराम के बिना...से बांधा समां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

प्राचीन खाटू श्याम मंदिर में 30वें श्री श्याम मासिक संकीर्तन का आयोजन किया गया। संकीर्तन के दौरान फूलों द्वारा श्याम बाबा का मनमोहक श्रृंगार किया गया। मंदिर के पुजारी विनय तिवारी ने कहा कि जो भक्त बाबा के दर्शन करने आता है बाबा खाटू श्याम उनकी मनोकामना पूर्ण करते हैं।

समिति सदस्य अंकुर गोयल ने बताया कि श्रीश्याम मासिक संकीर्तन मंडली द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सुरेंद्र बुद्धिराजा, हेमंत नंदा, रोहित कटारिया, गौरव कौशिक, मोहित वर्मा, मीनाक्षी वर्मा सहित स्थानीय गायक कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी। इस दौरान गौरव कौशिक ने अपने साथी कलाकारों के साथ मंगल भवन अमंगल हारी द्रवहु सुदशरथ अजर बिहारी, राम सिया राम सिया राम जय जय राम.., होई हैं सोई जो राम रचि राखा, को करि तर्क बढ़ावे शाखा, राम सिया राम सिया राम, जय जय राम.., धीरज धर्म मित्र अरु नारी, आपद काल परखिए चारी।

राम सिया राम..जय जय राम का संकीर्तन कर माहौल भक्तिमय बना दिया। वहीं सुरेंद्र बुद्धिराजा ने दुनिया चले ना श्री राम के बिना राम जी चले ना हनुमान के बिना.., हारा हूं बाबा पर तुझ पे भरोसा है..मेरे सिर रख दो बाबा अपने ये दोनों हाथ.., मीनाक्षी वर्मा ने दर दर भटकने वाले बाबा से दिल लगा ले.., हेमंत नंदा ने भक्तों के घर भी सांवरे आते रहा करों.., चिंटू सक्सेना ने तुझे मेरे बाबा पे भरोसा जो होगा, जो कुछ भी होगा अच्छा ही होगा..आदि भजन सुनाकर श्रद्धालुओं को भाव विभोर किया।

इस मौके पर कृष्ण सक्सेना, अंकुर, सुशील, श्री जांगड़ा, संजय खुराना, सतीश, धीरज भारद्वाज, रवि गेरा सहित सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

मांगों को लेकर निदेशक कार्यालय पंचकूला पर रोष प्रर्दशन 12 मई को

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा शिक्षा विभाग कर्मचारी तालमेल कमेटी के आह्वान पर सुखपुरा चौक स्थित कर्मचारी भवन में सार्वजनिक शिक्षा, स्कूल व रोजगार बचाओ कार्यकर्ता कन्वेशन का आयोजन किया गया। कार्यकर्ता कन्वेंशन की अध्यक्षता प्रभुसिह प्रधान हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ, दलेल राणा प्रधान हरियाणा राज्य चतुर्थ श्रेणी सरकारी कर्मचारी यूनियन, संदीप सांगवान प्रधान हरियाणा एजुकेशन मिनिस्ट्रीयल स्टाफ एसोसिएशन द्वारा संयुक्त रूप से की गई। मुख्य वक्ता शिक्षाविद पूर्व महासचिव सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा सत्यपाल सिवाच ने कहा कि सरकारी स्कूलों में लगातार सरकार की शिक्षा विरोधी नीतियों से गिर रही छात्र संख्या से सेवादार, स्वीपर, चौकीदार, माली, पियन, लिपिक, अध्यापक सहित स्कूल व दफ्तर प्रभावित हो रहे हैं। हरियाणा शिक्षा विभाग कर्मचारी तालमेल कमेटी के अध्यक्ष मण्डल ने आन्दोलन का ऐलान किया। उन्होंने बताया कि आन्दोलन के प्रथम चरण में 2 मई को विभागों मे द्वार सभा कर विभागाध्यक्ष को नोटिस, 12 मई को डारेक्टर दफ्तर पंचकूला पर रोष प्रर्दशन व 20 मई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल कर आवाज बुलंद की जाएगी। निजीकरण की नीतियों पर रोक, छटनीग्रस्त की बहाली, राष्ट्रीय शिक्षा निति 2020 पर रोक, सभी खाली पदों पर स्थाई भर्तियां व पदोन्नतियां, वर्कलोड अनुसार नए पद व सेवानियम, नियमितिकरण की निति, चिराग योजना को वापिस लिया जाए।

सूचना

मैं, यादवेन्द्र पुत्र श्री दल चन्द यादव निवासी गांव बालौर, तहसील बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा बयान करता हूं कि मेरा पुत्र मनीष मेरे व मेरे परिवार के कहने-सुनने से बाहर है और मैं उससे अपने तमाम संबंध समाप्त करते हुए अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में मनीष के साथ किसी भी तरह का लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मनीष अपने प्रत्येक कार्य के लिए स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरा व मेरे परिवार के सदस्यों का उससे कोई संबंध व सरोकार नहीं रहा।

खबर संक्षेप

घायल मरीजों के इलाज में कैशलेस योजना मददगार : उपायुक्त

झज्जर। डीसी प्रदीप दहिया ने बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल हुए लोगों का अब डेढ़ लाख रुपये तक कैशलेस इलाज का प्रावधान है। यह योजना सड़क दुर्घटना पीड़ितों को त्वरित चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने और उनकी जान बचाने के उद्देश्य से शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि यह योजना सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए गोल्डन आवर के दौरान तुरंत चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। गोल्डन आवर दुर्घटना के बाद का पहला घंटा होता है, जिसमें समय पर इलाज से जान बचने की संभावना सबसे अधिक होती है।

शिविर में अधिकारी सुनेंगे समस्याएं

झज्जर। डीसी प्रदीप दहिया ने बताया कि सीएम नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा नागरिकों की शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से समाधान शिविर प्रत्येक सोमवार और वीरवार को कार्य दिवसों में नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सोमवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक जिला मुख्यालय व बेरी, बहादुरगढ़ और बादली में उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी समस्याओं को लेकर समाधान शिविर में पहुंचें और इस मंच का लाभ लें।

कांग्रेस नेता के भाई का निधन

बहादुरगढ़। कांग्रेस नेता प्रोफेसर कृष्ण जून के बड़े भाई देवेंद्र जून का निधन हो गया। वे काफी समय से बीमार चल रहे थे। उनका अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव लोवा खुर्द में शनिवार को किया गया। वे पब्लिक रिलेशन डिपार्टमेंट में लंबे समय से कार्यरत थे। उनकी आयु 45 साल थी। प्रोफेसर वीरेंद्र सिंह, संजय छोकर, जिला सूचना एवं लोक संपर्क अधिकारी झज्जर सतीश सहवाग, जिला सूचना एवं लोक संपर्क अधिकारी गुरुग्राम बिजेंद्र सहित काफी ग्रामीणों ने उनको श्रद्धांजलि दी।

जिला कारागार में स्वास्थ्य जांच शिविर आज

झज्जर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान मे सोमवार को सुबह साढ़े नौ बजे जिला कारागार में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। सीजेएम एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव विशाल ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा बंदियों के स्वास्थ्य की निःशुल्क जांच की जाएगी। इस मौके पर अधिकारी मौजूद रहेंगे।

हरियाणा राज्य भारत स्काउट्स एंड गाइड्स व आमजन ने की शिरकत

कैंडल मार्च निकालकर दी आतंकी हमले के मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि

झज्जर। कैंडल मार्च के दौरान अंबेडकर चौक पर उपस्थित डीईओ राजेश खन्ना व अन्य। *फोटो : हरिभूमि*

जिला शिक्षा अधिकारी ने हमले की निंदा की दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों पर किए हमले के विरोध में हरियाणा राज्य भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की जिला इकाई द्वारा कैंडल मार्च निकाला गया। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दादरी तोए के प्राचार्य एवं डीओसी डीटीसी स्काउट्स डॉक्टर राजेंद्र ने बताया कि जिला शिक्षा अधिकारी राजेश खन्ना के निर्देशानुसार निकाले गए इस कैंडल मार्च में स्काउट्स एंड गाइड्स के अलावा शहरवासियों ने भी अपनी उपस्थित दर्ज कराई। रविवार की शाम करीब सात बजे स्काउट्स एंड गाइड्स शहर के टाउन पार्क में एकत्रित हुए। इसके बाद कैंडल मार्च निकालते हुए वे स्थानीय अंबेडकर चौक पहुंचे। यहां दो मिनट का मौन धारण करते हुए आंतकी हमले के शिकार हुए लोगों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। इस दौरान मुख्य रूप से उपस्थित जिला शिक्षा अधिकारी राजेश खन्ना ने इस हमले की निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए न्याय की मांग की। इसके बाद उन्होंने शहर के रविंद्र छिक्कारा चौक पहुंच कैंडल मार्च को विराम दिया। इस मौके पर बीआरसी हरिओम, डीओसी गाइड मैनावंती, गाइड कैप्टन मनीषा, धनपति, सुरेश देवी, स्काउट्स मास्टर प्रवीण जाखड़, रोशन लाल, जोगेंद्र, डीपीई कृष्ण, जयकुंवार, भाजपा नेता मनीष बंसल, अनिल गुलिया, राष्ट्रपति स्काउट्स अवार्डी कपिल, हितेश, कृष्ण शास्त्री, मास्टर महेंद्र, रोहताश, अरुण भटनागर, टिंकू जाटव व अन्य मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। लंदन में शांति मार्च निकालते लोग। *फोटो : हरिभूमि*

लंदन में निकाला शांति मार्च

- भारतीय मूल के काउंसलर रोहित अहलावत की अगुवाई में यह शांति प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

पहलगाम में हुए आतंकी हमले की हर तरफ निंदा हो रही है। कोई प्रदर्शन कर आक्रोष जता रहा है तो कोई जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दे रहा है। इंग्लैंड के लंदन में भी शांति प्रदर्शन का आयोजन हुआ। लंदन में भारतीय मूल के काउंसलर रोहित अहलावत की अगुवाई में यह शांति प्रदर्शन हुआ।

इसमें वहां रह रहे काफी भारतीयों ने हिस्सा लेकर आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उनकी शांति के लिए प्रार्थना की। रोहित अहलावत ने कहा कि पहलगाम में आतंकियों ने बेहद ही कायराना हरकत की है। निर्दोष लोगों की हत्या कर दी। भारत सरकार को इस हरकत का मुंहतोड़ जवाब देते हुए आतंकियों के खिलाफ सख्त एक्शन लेना चाहिए।

झज्जर। यज्ञ के दौरान आहुति डालते हुए आर्यजन। *फोटो : हरिभूमि*

आतंकी हमले के शिकार लोगों को किया नमन

- आर्य समाज का साप्ताहिक वैदिक यज्ञ का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

रविवार को वैदिक कन्या स्कूल में आर्य समाज द्वारा साप्ताहिक वैदिक यज्ञ का आयोजन किया गया। यज्ञ ब्रह्मा आचार्य इंद्रजीत के साथ आर्यजनों ने शांतिकरणम पाठ करते हुए उन सभी लोगों को श्रद्धांजलि दी जिन्होंने बीते दिनों कश्मीर घाटी के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में अपने प्राणों की आहुति दी थी। यज्ञ के दौरान दो मिनट का मौन धारण कर उनकी आत्मिक शांति की प्रार्थना भी की गई। आर्य समाज के महामंत्री लाला प्रकाशवीर ने बताया कि यज्ञ में उपस्थित आर्यजनों ने एक स्वर में पहलगाम में हुए आतंकी हमले की घोर निंदा की और पूरी ताकत से बदला लेने के लिए सरकार से मांग की।

इस दौरान भजनोपदेशक दलीप सैनी व जितेंद्र बरानी ने देशभक्ति पर आधारित भजनों की प्रस्तुति भी दी। कार्यक्रम में राजीव आर्य, डॉक्टर गौतम प्रकाश आर्य, लाला रामावतार, ओम प्रकाश पूनिया, महाशय रतिराम, डॉक्टर जेके सरदाना सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

पंचकल्याणक महा महोत्सव आज से

- मुनिश्री 108 प्रणम्य सागर महाराज ससंघ रविवार को बहादुरगढ़ पहुंचे

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

शहर में पंचकल्याणक महामहोत्सव सोमवार से शुरू होगा। इसके लिए मुनिश्री 108 प्रणम्य सागर महाराज ससंघ रविवार को बहादुरगढ़ पहुंच गए। उनके आगमन पर जैन समाज के लोग बैंड बाजे के साथ पहुंचे। शहर की सीमा से उनकी अगवानी की गई। शहर में जैन समाज की ओर से बनाए जा रहे भव्य मंदिर में प्रतिष्ठा के लिए यह महामहोत्सव सोमवार से शुरू होकर तीन मई तक चलेगा। पांच दिवसीय इस आयोजन के लिए शहर में बड़ा पंडाल सजाया गया है। आयोजन स्थल के आसपास और मंदिर तक व्यापक तौर पर सजावट की गई है। पूरा जैन समाज इस महोत्सव के आयोजन में कई दिनों से जुटा है। रेलवे रोड पर इंद्रा मार्केट में यह कार्यक्रम स्थल है, जबकि मंदिर अग्रवाल कालोनी में बनाया जा रहा है। इस महोत्सव की कड़ी में पहले दिन 28 अप्रैल को ध्वजारोहण व गर्भ कल्याणक पूर्व रूप कार्यक्रम होगा। इसमें सुबह छह बजे से लेकर रात के 10 बजे तक विधान चलेगा। दूसरे दिन 29 अप्रैल को गर्भकल्याणक उत्तर क्रिया होगी।

सुबह छह से रात आठ बजे तक चलेगा

इस दिन भी सुबह छह बजे कार्यक्रम शुरू होकर रात आठ बजे तक चलेगा। बुधवार 30 अप्रैल को जन्म कल्याणक होगा। फिर एक मई को तप कल्याणक दीक्षा होगी। शुक्रवार दो मई को ज्ञान कल्याणक और तीन मई को मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा। इंद्रा मार्केट मार्ग से कार्यक्रम पंडाल में प्रवेश होगा। यहां पर काफी संख्या में झाकियां भी सजाई गई हैं। पूरा विधान यहां पर होगा। जैन समाज की ओर से सुनील जैन और पंचकल्याणक समिति के उपप्रधान अरविंद जैन ने बताया कि नए मंदिर के निर्माण के बाद जब भगवान विराजमान होते हैं तो पंच कल्याणक के रूप में यह प्रतिष्ठा महोत्सव मनाया जाता है।

महावीर पार्क में सीवर जाम, लोग बेहाल

- लोग बोले- शिकायत के बाद भी अधिकारी नहीं कर रहे सुनवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

शहर के महावीर पार्क की गली नंबर-5 में सीवर ओवरफ्लो की समस्या गहराई हुई है। विभागीय अधिकारियों को शिकायत करने के बावजूद भी समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा। गलियों में फैली गंदगी के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। महावीर पार्क के निवासी राजबीर जून, बिजेंद्र छिल्लर, नरेंद्र, अवनेश, राजू दलाल, यशपाल, सुमित, मंजू व नेहा आदि का कहना है कि पिछली दो माह से महावीर पार्क की गली नंबर 5 में सीवर ओवरफ्लो हैं। जिस कारण गंदा पानी गलियों में जमा हो रहा है। गंदे पानी के कारण भयंकर दुर्गंध उठती है। रमेश पटवारी ने बताया कि सीवर ओवरफ्लो होने की शिकायत वह जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को भी कर चुके हैं, लेकिन अधिकारियों के संज्ञान में आने के बावजूद भी समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। उन्होंने बताया कि सीवर ब्लॉक होकर बैक मार रहे हैं, जिस कारण घर का वातावरण भी दूषित हो रहा है। गली में गंदगी फैलने के कारण सारा दिन दुर्गंध उठती रहती है, जिस कारण लोगों का घर से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है। गंदे पानी में मच्छर पनप रहे हैं, जिस कारण यहां बीमारियां फैलने का खतरा बना हुआ है। जल्द से जल्द सीवरों की सफाई करवाई जाए, ताकि उन्हें राहत मिल सके।

बहादुरगढ़। सीवर से निकलती गंदगी दिखाते कॉलोनीवासी। *फोटो : हरिभूमि*

पूर्व सैनिक मिलन समारोह का आयोजन

बहादुरगढ़। भारतीय नौसेना पूर्व सैनिक संघ बहादुरगढ़ की ओर से गोरैया कांप्लेक्स में पूर्व सैनिक मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह का नेतृत्व लेफ्टिनेंट सोमपाल व वरिष्ठ अधिकारी बिजेंद्र खोखर ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत में पहलगाम त्रासदी के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। झज्जर नौसेना पूर्व सैनिक संघ के अध्यक्ष विजय पुनिया ने सभा को संबोधित करते हुए एक प्रेरणादायी भाषण दिया। कार्यक्रम में वरिष्ठ नौसेना अधिकारी व वर्तमान एचएनजी बहादुरगढ़ के उपाध्यक्ष यशबीर सिंह भी मौजूद रहे।

गुरुग्राम में छाए बहादुरगढ़ के कराटे खिलाड़ी, कई पदक जीते

- मेघा, निधि, मोहित, नैनीश और आदित्य ने स्वर्ण पदक जीता। भारती ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रजत पदक कब्जाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

गुरुग्राम के सेक्टर 27 में स्थित कम्युनिटी सेंटर में ट्रिनिटी कराटे क्लब द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में बहादुरगढ़ के कराटे खिलाड़ी छाए रहे। शानदार प्रदर्शन करते हुए यहां के कई खिलाड़ियों ने मेडल जीते। मेडल विजेताओं का जोरदार स्वागत किया गया।

खिलाड़ी मेघा, निधि, मोहित, नैनीश और आदित्य ने स्वर्ण पदक जीता। वहीं भारती ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रजत पदक पर कब्जा जमाया। इसी तरह कुमुद, योगेश और समीक्षा ने कांस्य पदक जीते। जुनून कराटे डोजो के कोच पंकज कुमार और अमित ने विजेताओं को बधाई दी।

उनके उज्वल भविष्य की कामना की। कोच पंकज कुमार ने कहा कि ये सभी खिलाड़ी बेहद होनहार है। लगातार बेहतर प्रदर्शन कर इलाके का मान बढ़ा रहे हैं।

बहादुरगढ़। कोच के साथ पदक विजेता खिलाड़ी। *फोटो : हरिभूमि*

अनोखी एग्जीबिशन का आयोजन

- सेक्टर-6 स्थित कम्युनिटी सेंटर में किया गया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

सेक्टर-6 स्थित कम्युनिटी सेंटर में रविवार को अनोखी एग्जीबिशन का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा विधानसभा संयोजक दिनेश कौशिक ने शिरकत की, जबकि वशिष्ठ अतिथि के रूप में पूर्व जिला अध्यक्ष राजपाल जांगड़ा मौजूद रहे। दिनेश कौशिक ने रिबन काटकर एग्जीबिशन का शुभारंभ करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन से जहां कारीगरों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलता, वहीं लोग को विभिन्न राज्यों की प्रसिद्ध वस्तुओं को देखने व खरीदने का मौका मिलता है। इस तरह के आयोजन शहर में होते रहने चाहिए। एग्जीबिशन में पंजाब, हरियाणा, हिमाचल व दिल्ली सहित विभिन्न राज्यों के कारीगरों ने भाग लिया। साथ ही एग्जीबिशन को रोचक बनाने के लिए लक्की ड्रा व फ्री गिफ्ट भी रखे गए। इस दौरान अनुभवी चिकित्सकों की टीम द्वारा रक्त के अलावा आंखों व त्वचा की जांच भी निःशुल्क की गई। काफी लोगों ने इसका लाभ उठाया। इस अवसर पर आयोजक एवं शहरी मंडल अध्यक्ष महिला मोर्चा मधु मित्तल, समाजसेवी किरण बंसल, भूमिका मित्तल व गुरमित सहित अन्य मौजूद रहें। वहीं भाजपा विधानसभा संयोजक दिनेश कौशिक ने पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं के साथ बूथ नंबर-178 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम सुना।

बहादुरगढ़। दिनेश कौशिक का स्वागत करते एग्जीबिशन के आयोजक।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 ×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

मधुर भजनों से बाबा का किया गुणगान

बहादुरगढ़। निजामपुर रोड नजदीक गत्ता फैक्ट्री पर खाटू श्याम बाबा का चतुर्थ मासिक श्रीश्याम संकीर्तन व भंडारे का आयोजन हुआ। यह आयोजन श्रीश्याम मित्र मंडल समाजसेवी दीपक सैनी, योगेश शर्मा, अनिल वर्मा, सुरेश कुमार व नवीन कुमार द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रवींद्र गिरी, मोनू प्रधान, प्रेम सैनी आदि ने की। संकीर्तन में गायक धर्मेश दर्शन, नवीन दिलदार, तुषार गौड़, डिंपी राम आदि ने मधुर भजनों से बाबा की महिमा का गुणगान किया। भव्य दरबार, भव्य श्रृंगार, 56 भोग, फूलों की वर्षा आकर्षण का केंद्र रहे। पार्षद संदीप अहलावत, दीपक सैनी आदि ने लोगों के सुख समृद्धि की कामना की।

हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष बोले

जल्द तय होगी हरियाणा राज्य खेलों की तारीख

- हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष मीनू बेनीवाल का कई जगह हुआ स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

हरियाणा स्टेट गेम्स या यूं कहें हरियाणा ओलंपिक गेम्स इसी साल करवाए जाएंगे। यह कहना है हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष मीनू बेनीवाल का। बेनीवाल बहादुरगढ़ में पत्रकारों से रूबरू हो रहे थे। यहां चैंपियंस एक्वेटिक एकेडमी में पहुंचने पर उनका जोरदार स्वागत हुआ। उन्होंने यहां तैराकी सुविधाओं का जायजा लिया और बेहतर सुविधाएं देने के लिए हरियाणा तैराकी संघ के महासचिव, एचओए के उपाध्यक्ष अनिल खत्री को बधाई भी दी। उन्होंने बताया कि पिछली सरकारों के दौरान राजनीतिक लड़ाई के कारण पिछले 15 साल से हरियाणा राज्य खेल नहीं हो पाए हैं।

अगर हर साल हरियाणा राज्य खेल होते तो हर साल करीबन हजार खिलाड़ी मेडल लेकर नौकरी की पात्रता हासिल करते और नौकरी भी हासिल करते। उन्होंने कहा कि 30 मई तक हरियाणा ओलम्पिक खेल या यूं कहे हरियाणा राज्य खेलों की तारीख तय कर ली जाएगी।

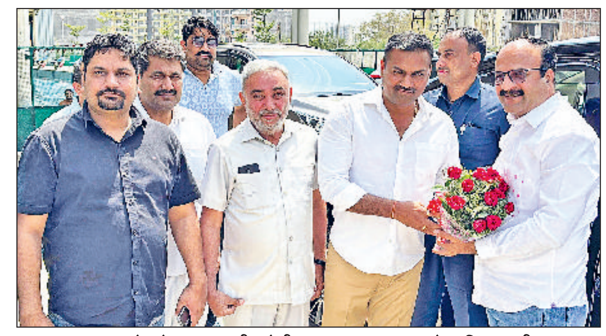

बहादुरगढ़। एचओए के अध्यक्ष मीनू बेनीवाल का स्वागत करते अनिल खत्री व अन्य।

प्रदेश भर में 22 खेलों को एडॉप्ट करेंगे

मीनू बेनीवाल ने ये भी बताया कि हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन प्रदेश भर में 22 खेलों को एडॉप्ट करेगा। हर जिले में कम से कम एक खेल को गोद लेकर उस खेल से जुड़ी सुविधाएं एचओए उपलब्ध करवाएगा। एचओए की कोशिश साई की तर्ज पर हर जिले में एक खेल का एक्सीलेंस सैंटर बनाने की है। इसके लिए थर्ड पार्टी एग्रीमेंट्स भी किए जाने की जरूरत पड़ी तो किए जाएंगे। इस मौके पर हरियाणा तैराकी संघ के सदस्य सुरेश जून, सुनील खत्री, सत्यनारायण शर्मा, बलवान, विकास खत्री, बलवान कादियान, वीरेंद्र बेनीवाल, सुंदर सिंह, हर्ष शर्मा तैराकी कोच साई जाधव आदि उपस्थित रहे।